Title: Regarding putting a ban on Public Sector companies manufacturing "Vaccine" to benefit private companies.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय अध्यक्ष महोदया, पिछले दो वर्षों से देश के भीतर डिप्थीरिया, टिटनेस, काली खांसी, जापानी बुखार और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियों के टीकों की किल्लत पैदा हो गयी है, जो हमारी सरकारी कम्पनियां को पूर्व मंत्री द्वारा बंद कराने से हुई। इस कारण देश के लाखों गरीब बच्चों ने टीके के अभाव में दम तोड़ दिया। भारत सरकार ने इसकी जांच करवाई, जिसमें पाया गया कि जिन टीका बनाने वाली सरकारी कम्पनियों को बंद किया गया, उनकी गुणवत्ता, उनके मानक में कोई दोष नहीं था, बल्कि प्राइवेट कम्पनियों को निजी लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी कम्पनियां बंद की गयीं। श्री जावेद अख्तर जो स्वास्थ्य विभाग के सचिव हैं, उन्होंने जांच में यह बात सही पायी कि प्राइवेट कम्पनियां जो देश के बाहर टीके का 500 करोड़ रुपये का निर्यात करती हैं, उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए हमारे देश की सरकारी कम्पनियां जो टीके बनाने का काम करती थीं, उन्हें बंद करने का काम किया गया जिससे कहीं न कहीं इस दवा और कारोबार में बड़े घोटाले की बू आती है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि इस पूरे विवरण की, पूरी घटना की जांच करायी जाये और जिस प्रकार से सरकारी कम्पनियों को बंद करने का एक हवाला विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा धौंस जमाकर दिया गया कि भारत सरकार की जो सरकारी कम्पनियां टीके की दवा बना रही हैं, वे अच्छी नहीं हैं बल्कि प्राइवेट कम्पनियां जो दवा बना रही हैं, वे अच्छी है। जब दोनों की जांच करायी गयी, तो प्राइवेट कम्पनियां जो दवा बना रही हैं, उसके भी वही मानक थे, जो सरकारी कम्पनियां के टीके बनाने के थे। यह लोकमत का अविलम्बनीय विषय है। देश के लाखों बच्चे टीकों के अभाव में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और सरकार उनकी महंगी दवाएं प्राइवेट कम्पनियों से खरीद रही है। वे दवाएं गरीब लोगों को महंगे दर पर मिल रही हैं। यह गंभीर मामला है इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि इस गंभीर मसले की जांच एक जांच समिति बनाकर की जाये और उन लोगों के खिलाफ जांच करायी जाये, जिनका योगदान सरकारी कम्पनियों को बंद कराने में रहा और जिन्होंने एक साजिश के तहत सरकारी कम्पनियों को बंद करने और निजी कम्पनियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में यह लाना चाहता हूं कि यह लोक महत्व का गरीबों से जुड़ा हुआ मसला है।

यह लाखों बच्चों के जीवन का सवाल है। इस पर सरकार तत्काल जवाब दे और जांच कराने की मांग करता हूं। मैं दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई कराने की मांग करता हूं।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): महोदया, मैं इसी से संबंधित एक बात कहना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदया : आप स्वयं को इससे सम्बद्ध कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब उनकी बात सुनिए। आपकी पार्टी के माननीय सदस्य बोल रहे हैं।